सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-1 • 22 MAY TO 28 MAY 2020 • VOLUME-37 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING | DESIGN | TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

STUDY, WORK & SETTLE IN ABROAD

No Filing Charges &
*Pay money after the visa

IELTS | STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA
U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. • HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.

*T&C apply

चक्रवाती तूफान एम्फन ने बंगाल में मचाई तबाही, 72 लोगों की मौत

कोलकाता ■ एजेंसी

चक्रवाती तूफान 'एम्फन' ने प.बंगाल में भयंकर तबाही मचाई है। प. बंगाल में अभी तक 72 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में हजारों घरों को नुकसान पहुंचा है। छह लाख लोगों को उनके घरों से निकालकर सुरक्षित बचाया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि मैंने आज तक ऐसी तबाही नहीं देखी है। मैं प्रधानमंत्री से अपील करूंगी कि वह बंगाल आएं और हालात देखें।

जिन लोगों की मौत हुई है, उनके परिवार को 2.5 लाख का मुआवजा देने का ऐलान करती हूं। कोलकाता और अन्य प्रभावित जिलों के बड़े हिस्सों में बिजली गुल है, क्योंकि वहां बिजली के खंभे उखड़ गए। तूफान से एक हजार से ज्यादा मोबाइल टावरों को नुकसान पहुंचने के कारण मोबाइल व नेट सेवाएं भी बंद हैं।

पीएम मोदी बोले- बंगाल के साथ खड़ा है पूरा देश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद 'एम्फन' से प्रभावित राज्यों पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने ट्वीट करके बताया कि एम्फन के कारण पश्चिम बंगाल में हुई तबाही के विजुअल्स देख रहा हूं। यह काफी कठिन समय है, पूरा देश इस समय पश्चिम बंगाल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। राज्य के लोगों की बेहतरी के लिए हम कामना करते हैं। हालात सामान्य करने के प्रयास जारी हैं।

मोदी ने मानी ममता बनर्जी की अपील, करेंगे तूफान प्रभावित बंगाल का दौरा

कोलकाता, (एजेंसी)। 'एम्फन' के कारण पश्चिम बंगाल के दक्षिणी हिस्से में नुकसान का आकलन करने की सीएम ममता बनर्जी की अपील को मानते हुए पीएम मोदी बह 10 बजे पीएम कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद 10.45 बजे वह दमदम एयरपोर्ट पहुंचेंगे। सीएम ममता बनर्जी के साथ चॉपर से बशीरहाट जाएंगे। 11.20 बजे तूफान प्रभावित उत्तर-दक्षिण 24 परगना के प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। 1.30 बजे पीएम भुवनेश्वर के लिए रवाना। पीएम मोदी ओडिशा में हुए नुकसान का भी हवाई सर्वेक्षण करेंगे।

गृहमंत्री अमित शाह ने नवीन पटनायक और ममता बनर्जी को किया फोन

गृहमंत्री अमित शाह ने 'एम्फन' के संदर्भ में ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी से फोन पर बात की है। उन्होंने ट्वीट किया, मैंने ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जी से चक्रवात से उत्पन्न स्थिति को लेकर बातचीत की और केंद्र से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। हम चक्रवात अम्फान पर गहरी नजर रख रहे हैं और लगातार संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हैं।

'एम्फन' से ओडिशा में कम, प. बंगाल में ज्यादा नुकसानः एनडीआरएफ

हर तरफ दिखा एम्फन का असरः पश्चिम बंगाल के कोलकाता समेत तटीय इलाकों में चक्रवात एम्फन से तबाही मचाई। क्रिस्टोफर रोड पर खंभे से टूटकर सड़क पर जिंदा तार गिर गया। कई घरों की छतें उड़ गईं। सड़कों पर पानी भर गया।

पुलिस ने किया आगाहः पश्चिम बंगाल के तटीय इलाकों में चक्रवाती तूफान एम्फन का असर दिखना शुरू हो गया है। दीघा में समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें और तूफानी हवाएं चलनी शुरू हो गई हैं। एम्फन पश्चिम बंगाल के दीघा और बांग्लादेश के हटिया द्वीप से ही टकराने वाला है। इस दौरान स्थानीय पुलिस लोगों को आगाह कर रही है कि वे किसी भी हाल में अपने घरों के अंदर ही रहें। बंगाल के कई लोगों का कहना है कि उन्होंने ऐसा तूफान पहले कभी नहीं देखा तो कुछ बुजुर्गों ने कहा कि तीस दशक पहले उन्होंने ऐसी तबाही देखी थी। चक्रवात अम्फान ओडिशा से होते हुए पश्चिम बंगाल पहुंचा है।

लगा नदी के बीच उतार दिए गए प्लेनः एयरपोर्ट पर खड़े प्लेन को देखकर लग रहा है जैसे वह किसी नदी से बीच में उतार दिया गया हो। प्लेन के पहिए पूरी तरह से पानी में डूबे हैं। हर तरफ सिर्फ पानी ही पानी नजर आ रहा है।

6 घंटे चला तांडवः लगभग छह घंटे तक बंगाल में चक्रवात का तांडव चला। प. बंगाल में 72 लोगों की अब तक चक्रवात से मौत हुई है। एयरपोर्ट में कार्गो सेवाओं की जो उड़ाने संचालित हो रही थीं वे भी बंद कर दी गईं।

एयरपोर्ट पर दिखा नदी सा नजाराः एम्फन से कोलकाता में कई जगहें डूब गईं। इससे यहां का एयरपोर्ट भी अछूता नहीं रहा। तेज हवाओं से एयरपोर्ट का कुछ हिस्सा प्रभावित हुआ है। रनवे का नजारा किसी विशाल नदी जैसा नजर आ रहा है। हैंगर्स एरिया में भी पानी भरा नजर आया।

हिल गए 40 टन के जहाज भीः कोलकाता एयरपोर्ट पर लोगों ने ऐसा पहली बार देखा। अम्फान तूफान की रफ्तार के आगे 40-40 टन के जहाज भी थरथरा रहे थे। उनके पहियों के लिए चोक्स (अवरोधक) लगाए गए थे जिससे वे हवा में इधर-उधर हिलकर एक दूसरे को नुकसान न पहुंचा दें।

न्यूज

प्रो. द्विवेदी पत्रकारिता विवि के कुलपति बने

भोपाल, (आरएनएन)। देश के जाने.माने पत्रकार एवं मीडिया शिक्षक प्रो. संजय द्विवेदी को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि का प्रभारी कुलपति नियुक्त किया गया है। इससे पहले वे विवि के कुलसचिव की जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे थे। प्रो. द्विवेदी 10 वर्ष से अधिक समय तक विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के अध्यक्ष भी रहे हैं।

डॉ अविनाश वाजपेयी बने कुलसचिवः विवि में प्रभारी कुलसचिव की जिम्मेदारी डॉ. अविनाश वाजपेयी को सौंपी गई है। डॉ. वाजपेयी मीडिया प्रबंधन विभाग के अध्यक्ष भी हैं।

मजदूरों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। विभिन्न केंद्रीय मजदूर संगठन उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश तथा अन्य राज्यों में श्रम कानूनों को कमजोर करने के विरोध तथा प्रवासी मजदूरों के समर्थन में शुक्रवार को देशव्यापी हड़ताल करेंगे। मजदूर संगठनों ने एक बयान में श्रम कानूनों को कमजोर करने की कड़ी निंदा की और इन्हें निर्दयी तथा आपराधिक करार दिया। मजदूर संगठनों ने आरोप लगाया कि राज्य सरकारें केंद्र सरकार की शह पर मजदूर कानूनों को कमजोर कर रही हैं और लंबे अरसे के बाद अर्जित की गई सुविधाओं को वापस ले रही हैं। उन्होंने कहा कि 22 मई को देशभर में इन कानूनों को कमजोर करने के खिलाफ धरने प्रदर्शन किए जाएंगे।

अदिति को कांग्रेस से निलंबित किया गया

लखनऊ, (एजेंसी)। बस प्रकरण में कांग्रेस विधायक अदिति सिंह ने अपनी ही पार्टी और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पर निशाना साधा था, जिसके चलते उन्हें निलंबित कर दिया गया है। उन पर पार्टी विरोधी गतिविधि करने का आरोप है। बता दें कि उन्होंने बुधवार को ट्वीट कर कहा था कि आपदा के समय इस तरह की निम्नस्तरीय राजनीति उचित नहीं है। उस समय ये बसें कहां थीं जब कोटा में यूपी के विद्यार्थी फंसे थे। आपदा के वक्त ऐसी निम्न सियासत की क्या जरूरत है। एक हजार बसों की सूची भेजी, उसमें भी आधी से ज्यादा बसों का फर्जीवाड़ा है। 297 कबाड़ बसें, 98 ऑटो रिक्शा व एंबुलेंस जैसी गाड़ियां और 68 वाहन बिना कागजात के, ये कैसा क्रूर मजाक है।

राहत की खबरः स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े दे रहे गवाही

भारत में पहली बार कोरोना मरीजों का रिकवरी रेट 40 फीसदी के पार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत में कोरोना मरीजों के स्वस्थ होने का दर पहली बार 40 प्रतिशत के पार गया है। गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं। आपको बता दें कि इससे पहले मंगलवार को रिकवरी रेट 38.73 था, जो कि गुरुवार को बढ़कर 40.32 प्रतिशत हो गया। बीते 48 घंटे में कुल 1.59 प्रतिशत का इजाफा दर्ज किया गया। मंगलवार से बुधवार के बीच भारत में कोरोना वायरस के 5609 नए केस सामने आए। इसके साथ ही देश में इस महामारी का कुल आंकड़ा 1,18,226 हो गया। इनमें से 66,082 एक्टिव केस हैं। अभी तक 48,553 मरीज ठीक हो चुके हैं। इस महामारी ने कुल 3,584 लोगों की जान ले ली है। कोरोना केस के मामले में महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, दिल्ली और राजस्थान अग्रणी राज्य हैं। अकेले महाराष्ट्र में 40 हजार कोरोना के मामले अभी तक सामने आ चुके हैं। वहीं, केंद्र सरकार का कहना है कि भारत भले ही दुनिया के 15 प्रभावित देशों में शामिल है, लेकिन यहां रिकवरी रेट काफी अच्छा है। डेथ रेट भी कम है।

महाराष्ट्र में कोरोना से बड़ी तहाबी देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र में कोविड-19 के कुल 41,642 पॉजिटिव केस मिल चुके हैं। इनमें से 11726 स्वस्थ्य हो घर लौटे, वहीं 1454 मरीजों की मौत हो गई।

भारत	कुल मामले	मौत	स्वस्थ हुए
	1,18,226	3,584	48,553
मध्यप्रदेश	5,981	271	2,844

कोरोना काल में मुंबई से सौतेली मां जैसा व्यवहार

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र की महिला कल्याण मंत्री यशोमति ठाकुर ने बताया केंद्र सरकार पर मुंबई के साथ सौतेली मां जैसा व्यवहार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 संकट से निपटने के लिए राज्य सरकार वित्तीय सहायता मुहैया करवा रही है। ठाकुर ने आरोप लगाया कि पिछले सप्ताह घोषित किए गए 20 लाख करोड रुपए के आर्थिक पैकेज में केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र के खिलाफ जानबूझ कर पक्षपात किया। उन्होंने कहा कि यह उम्मीद जताई जा रही थी कि देश की आर्थिक राजधानी के लिए आर्थिक पैकेज में विशेष ध्यान दिया जाएगा। मंत्री ने कहा, मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है और जीडीपी में इसका व्यापक योगदान है। इसके बावजूद, महामारी से बुरी तरह प्रभावित मुंबई शहर को केंद्र की ओर से नजरअंदाज किया जा रहा है। मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने कोरोना वायरस के बहाने मुंबई के महत्वपूर्ण उद्योग को गुजरात स्थानांतरित करने का प्रयास किया।

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 5609 नए मामले आए सामने , 132 की मौत

कोरोना वायरस महामारी ने देश को बुरी तरह प्रभावित किया है। संक्रमण के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। स्वास्थ मंत्रालय द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1 लाख 12 हजार 359 हो गई है जिनमें से 63 हजार 624 एक्टिव मामले हैं। इन लोगों का इलाज जारी है। अब तक 45 हजार 300 लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 3435 लोगों की मौत हो गई है। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 5609 नए मामले सामने आए हैं। 132 लोगों की जानें जा चुकी हैं। महाराष्ट्र में अब तक कोरोना के 41, 642 मामले सामने आ चुके हैं जबकि 1,454 लोगों की मौत हो गई है। वहीं महाराष्ट्र से सटे गुजरात में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 12, 910 हो गई है। जबकि 773 लोगों की जानें जा चुकी हैं।

आयुष्मान भारत में 2 हजार लोगों की जांच

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत डेढ़ महीने पहले इसके लाभार्थियों के लिए कोरोना के इलाज को मुफ्त कर दिया गया। इसके बाद से इस योजना के तहत दो हजार लोगों का कोरोना का इलाज किया जा चुका है या इलाज चल रहा है। हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजना बताया था। वहीं, सितंबर 2018 में इसके लॉन्च के बाद से, एबी-पीएमजेएवाई के तहत एक करोड़ लोगों ने सुविधा का लाभ उठाया है। इस योजना के तहत, तीन हजार लोगों की कोविड-19 जांच की गई है। एनएचए ने कोविड-19 रोगियों के इलाज के लिए पिछले एक माह में एबी-पीएमजेएवाई के तहत 1,500 अस्पतालों को सूचीबद्ध किया है।

मंगलवारा के एक ही परिवार के 8 सदस्यों सहित 39 नए संक्रमित

भोपाल, (आरएनएन)। भोपाल जिले में कोरोना संक्रमित की संख्या में बढ़ोतरी जारी है। अब कोरोनो ने शहर के कई हिस्सों में पैर पसारना शुरू कर दिया है। गुरुवार को भोपाल जिले में 39 नए पाजिटिव मिले हैं। मंगलवारा में एक ही परिवार के 15 दिन की बच्ची सहित आठ सदस्य संक्रमित हो गए हैं। बच्ची को उसकी मां के साथ अस्पताल में रखा गया है, उस बच्ची का ईलाज उसकी मां को दवाई देकर किया जा रहा है। सभी को चिरायु अस्पताल में भर्ती किया गया है। अशोका गार्डन में एक ही परिवार के तीन संक्रमित मिले, वहीं एक अखबार मालिक भी संक्रमित पाया गया। वहीं अब जाटखेड़ा नया हाट स्पॉट बना, यहां अब तक 25 संक्रमित मिले। शहर में सबसे बड़ा हॉट स्पॉट जहांगीराबाद बना हुआ है। इसके बाद शाहजनाबाद, मंगलवारा क्षेत्र में कोरोना ने पूरी तरह पैर पसार लिया है। इसके बाद अब जाटखेड़ी क्षेत्र नया हॉट स्पॉट बनता जा रहा है। यहां गुरुवार को भी सात नए संक्रमित मरीज मिले हैं। वहीं उच्च शिक्षा विभाग में पदस्थ एक ओएसडी पॉजिटिव मिले हैं। 18 कोरोना योद्धा स्वस्थ्य होकर पहुंचे अपने घर भी लौटे।

जाटखेड़ी में मिले सात नए पॉजिटिव

इंदौर में कोरोना के 2850 संक्रमित, अब तक 109 मौतें

इंदौर, (आरएन)। जिले में गुरुवार को 599 टेस्ट हुए 76 नए मामले आने के बाद यहां कुल संक्रमितों की तादाद बढ़कर 2,850 हो गई। जबकि गुरुवार को दो मौतों के बाद कुल मौतों को आंकड़ा 109 हो गया। गुरुवार 67 मरीज डिस्चार्ज हुए। कुल संक्रमितों में से 1,280 रोगी घर लौट गए, जबकि 1,461 रोगी की उपचार जारी है।

वीसी के माध्यम से सीएम करेंगे शुभारंभ

मनरेगा जॉबकार्ड वितरण महा अभियान का आगाज आज

सीएम ग्राम प्रशासनिक समितियों के प्रधानों से भी करेंगे चर्चा

भोपाल, (एजेंसी)। सीएम शिवराज सिंह शुक्रवार को वीसी के माध्यम से 'सबको मिलेगा रोजगार' के तहत मनरेगा जॉबकार्ड वितरण महाअभियान का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री वीसी के माध्यम से ग्राम प्रशासनिक समितियों के प्रधानों से चर्चा भी करेंगे।

प्रदेश सरकार प्रवासी श्रमिकों तथा रोजगार की तलाश में बाहर गए श्रमिकों को वापस आने पर उनके गांव और ग्राम पंचायत क्षेत्र में ही रोजगार मुहैया कराने कृत संकल्पित है। इसके लिए 'मनरेगा' के तहत बड़े स्तर पर रोजगार मूलक कार्य प्रारंभ किए हैं। इन कार्यों में नए श्रमिकों को जोड़ा जाएगा। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री शुक्रवार को आयोजित होने वाली वीसी के माध्यम से मनरेगा रोजगार कार्ड वितरण महाअभियान प्रक्रिया का शुभारंभ करेंगे। इस वीसी में प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय पर स्थित दो वीसी कॉन्फ्रेंस हाल से 100 जनपद केंद्र जुड़ेंगे तथा अन्य जनपद मुख्यालय पर भी लिंक शेयर कर ग्राम प्रधान और मनरेगा श्रमिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। वर्तमान में प्रदेश की 22 हजार 809 ग्राम पंचायतों में से 22 हजार 695 ग्राम पंचायतों में 19 लाख 92 हजार मजदूर कार्य कर रहे हैं। कोरोना संकट के समय एक अप्रैल से लेकर अभी तक 35 लाख 45 हजार 242 मजदूरों को मनरेगा अंतर्गत रोजगार प्रदान किया है।

लद्दाख में एलएसी पर तनाव चीनी सैनिक बन रहे परेशानी

विदेश मंत्रालय ने बताया, सेना को सीमा की पूरी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत चीन के सैनिकों के बीच तनातनी को लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि भारतीय सैनिक भारत की सीमा के भीतर ही गतिविधियां कर रहे हैं और वे सीमा सुरक्षा के लिए निर्धारित प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करते हैं।

मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्ष बातचीत कर रहे हैं, हम चीन के साथ लगी सीमा पर शांति बनाए रखने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। भारत ने सीमा पर हालिया घटनाओं के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा, भारतीय सैनिक सीमा क्षेत्र से भली-भांति परिचित हैं, बल्कि चीनी सैनिकों ने भारतीय बलों द्वारा की जा रही गश्त में बाधा डाली जिससे ये परेशानी खड़ी हुई। दरअसल खबर है कि भारत और चीन के बीच गैर चिह्नित सीमा पर उत्तर सिक्किम और लद्दाख के पास कई इलाकों में तनाव बढ़ता जा रहा है और दोनों पक्ष वहां अतिरिक्त बलों की तैनाती कर रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया था कि भारत और चीन दोनों ने डेमचक, दौलत बेग ओल्डी, गलवान नदी तथा लद्दाख में पैंगोंग सो झील के पास संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती की है। गलवान के आसपास के इलाके दोनों पक्षों के बीच छह दशक से अधिक समय से संघर्ष का कारण बने हुए हैं।

प्रसंग

आत्मनिर्भर भारतः कृषि क्रांति का नया सोपान

किसानों के सरोकार और उनकी संवेदनाओं से जुड़े इस राहत पैकेज ने कृषि क्षेत्र में भावी विकास की गुलाबी तस्वीर रची है। किसान के सपनों को साकार करने उनकी मुश्किलों को कम करने राहत के ये श्वेत अश्व अपना लक्ष्य कब हासिल करते हैं यह भविष्य के गर्भ में है। कोरोना के संकट काल में सरकार का पैकेज देश के कृषि परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव होगा और यह कदम सरकार के गेम चेंजर होंगे।

कोविड-19 की विपरीत परिस्थितियों में शहर थम गए, रेल रुक गई, हवाई जहाज नहीं उड़े, पर जो नहीं ठहरा, वह भारत का किसान था। देश का मेरुदंड बनकर तना हुआ खड़ा था। कोरोना महामारी के शुरुआती दौर में रबी की फसल पक कर कटने को तैयार थी। किसी विद्वान ने कहा है कि 'दुनिया में सारी चीजें प्रतीक्षा कर सकती है, पर कृषि नहीं'। ये काम नियत समय पर ही होना था। भारत सरकार ने भी इसकी अनिवार्यता जानते हुए लॉकडाउन में सबसे पहले खेती से जुड़े कामों को करने की रियायत दी। पर केवल बंधनों में छूट देने पर नहीं रुकी सरकार। कृषक और कृषि की भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत सरकार राहत का पैकेज लाई। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की भागीदारी केवल 15 फीसदी है पर भारत की 60 फीसदी आबादी कृषि पर निर्भर है। यह असंख्य भारतीयों की आजीविका ही नहीं, जीवन जीने की शैली है, जिंदगी जीने का तरीका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस कठिन वक्त का मुकाबला करने वाले कृषकों के लिए डेढ़ लाख करोड रुपए की योजनाएं प्रस्तुत की।

आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में तीसरी कड़ी के इस 11 सूत्रीय पैकेज में समग्र रूप से किसान की आमदनी बढ़े, कृषि क्षेत्र में निवेश आए, एकीकृत खेती का विस्तार हो और सबसे महत्वपूर्ण कारक मुक्त कृषि व्यापार, मुक्त कृषि बाजार के साथ प्रसंस्करण विपणन पर जोर दिया गया। भारतीय कृषि में जो नीतिगत सुधारों की मांग दीर्घकाल से की जा रही थी, वह उपाय आत्मनिर्भर भारत के इस पैकेज में शामिल होने से कृषि से जुड़े हित धारकों में सकारात्मक उम्मीद जगी है। कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के जरिए खेती में बुनियादी सुविधाओं, संरचनाओं को मजबूत करने के लिए एक लाख करोड़ का फंड रखा गया है। हालांकि 20 लाख करोड़ रुपए के कुल पैकेज की तुलना में यह केवल 5 फीसदी ही है। परंतु उम्मीद है इससे फसलों के भंडारण के लिए वेयरहाउस-साइलो निर्माण एवं कोल्ड स्टोरेज, परिवहन सुविधाओं की स्थापना में काफी तेजी आएगी। कृषि से जुड़ी संस्थाओं,पैक्स, एफपीओ को बढ़ावा मिलेगा। अभी भंडारण क्षमता में कमी, परिवहन सुविधाओं के अभाव में किसानों के विकल्प सीमित हो जाते हैं और उन्हें अपनी उपज का सही दाम नहीं मिल पाता है।

पैकेज की दूसरी पायदान फूड प्रोसेसिंग इकाइयों को कलस्टर अप्रोच के माध्यम से मजबूत करने के लिए 10 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान इस असंगठित उद्योग को स्थानीय स्तर पर अपनी क्षमता बढ़ाने और किसानों की आय में बढ़ोतरी कर सकता है। वित्त मंत्री के मुताबिक देश की लगभग दो लाख छोटी फूड प्रोसेसिंग इकाइयों को अपना सिस्टम अपग्रेड करने, ब्रांड निर्माण में मदद करेगा। उम्मीद है इस कड़ी में मध्य प्रदेश के आगर मालवा-छिंदवाड़ा के संतरे, निमाड़ की मिर्च, मंदसौर के लहसुन क्षेत्र को भी तवज्जो मिलेगी। प्रसंस्करण इकाइयों के अभाव में किसानों को शीघ्र नष्ट होने वाली फसलों को औने-पौने दामों पर बेचना पड़ता था। भारत में पशुपालन खेती का महत्वपूर्ण अंग है, चोली दामन का साथ है। पशुधन को कृषक जन अपने परिवार का विस्तार ही मानते हैं। खेती के इस महत्वपूर्ण खंड के लिए सरकार ने इस पैकेज में 13343 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है और 53 करोड़ पशुओं के टीकाकरण, रोग नियंत्रण का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम बनाया है। इस योजना में पशुओं के मुंहपका-खुरपका घातक रोगों का भी नियंत्रण होगा।

मध्यप्रदेश के संदर्भ में राज्य के चार करोड़ पशुओं की भी दशा सुधरेगी। चौथे पायदान पर पशु पालन अधोसंरचना विकास निधि के 15 हजार करोड़ रुपए से इस क्षेत्र में डेयरी विकास, दुग्ध प्रसंस्करण, दुग्ध उत्पादन में बढ़ोतरी, मूल्य संवर्धन जैसी गतिविधियां बढ़ेंगी और निजी क्षेत्र का निवेश भी आकर्षित होगा। ग्रामीण भारत की दो तिहाई आबादी को पशुपालन से रोजगार मिलता है। छोटे किसानों की अतिरिक्त आय का यह एक महत्वपूर्ण अंग है। देश प्रदेश में टुकड़ों-टुकड़ों में हो रहे इस व्यापार को अमूल जैसी दुग्ध क्रांति सरीखी एक नई दिशा मिल सकती है। बशर्ते सरकार का समर्थन और उद्यमियों का प्रयास इस दिशा में गंभीर और सतत हो। औषधि खेती को बढ़ावा देना समय की मांग है। कोविड-19 में जिस प्रकार देशवासियों का रुझान देशी नुस्खों जड़ी बूटियों की ओर बढ़ा है, औषधीय फसलों की मांग बढ़ने वाली है। अश्वगंधा, सफेद मूसली, हरड़, सनाय, सर्पगंधा जैसी फसलों को बाजार में अच्छे दाम मिलेंगे तो इनका रकबा स्वतः बढ़ने लगेगा। पैकेज के चार हजार करोड़ रुपए के साथ 10 लाख हेक्टेयर तक क्षेत्रफल को विस्तार मिलेगा, जो स्वस्थ उम्मीद जगाता है।

मछली पालन करने वालों की बेहतरी और मछली व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना में 20 हजार करोड़ रुपए रखे गए हैं। इसमें बुनियादी सुविधाओं का आधुनिकीकरण, निर्माण, बाजार, परिवहन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। नीली क्रांति की दिशा में यह महत्वपूर्ण है। सरकार की पूर्व योजना ऑपरेशन ग्रीन्स का विस्तार करते हुए टॉप से टोटल कर दिया गया है। इसके लिए 500 करोड़ रुपए रखे गए हैं परंतु प्रथम दृष्टया यह नाकाफी लगते हैं। इसमें टमाटर से टिंडे तक, आलू से आम तक सभी फल सब्जियों को शामिल किया गया है। इस योजना में परिवहन, कोल्ड स्टोरेज पर 50 फीसदी सब्सिडी है। भारतीय किसान की विडंबना है कि भरपूर उपज आने पर दाम कम मिलते हैं, मंडी में माल पहुंचाना दुश्वार होता है, खेतों में ही सब्जियां सड़ जाती हैं इस ऑपरेशन ग्रीन्स से किसान की यह पीड़ा कम होने के आसार दिख रहे हैं। बीस लाख मधुमक्खी पालकों की आमदनी में बढ़ोतरी के लिए 500 करोड़ रुपए का प्रावधान भी पैकेज में है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2016 में शुरू की गई 'मीठी क्रांति को इससे अधिक गति मिलेगी और किसानों की आय भी बढ़ेगी। शहद निर्यात की भी संभावनाएं हैं और प्रतिवर्ष 10 फीसदी की दर से इसके बाजार का विस्तार हो रहा है। वर्ष 1955 में आवश्यक वस्तु अधिनियम उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा के लिए बनाया गया था। परंतु इंस्पेक्टर राज के चलते यहां व्यापारियों में आतंक का पर्याय बन गया था, जिसका प्रतिफल उपभोक्ताओं को भी भुगतना पड़ता था। नीति आयोग ने भी विभिन्न कृषि उत्पादों को इस अधिनियम से बाहर करने की पैरवी की थी। केंद्र सरकार के पैकेज की नवीं पायदान पर ईसीए में बदलाव का प्रस्ताव कृषि उपज का व्यापार करने वालों में नया उत्साह भर सकता है। अनाज, खाद्य तेल, दलहन के भंडारण, विपणन पर प्रतिबंध हटेंगे। प्रसंस्करण, भंडारण के क्षेत्र में निजी निवेश भी बढ़ेगा कृषि उत्पादों की संचालन लागत में कमी आएगी।

अभी भंडारण की समस्याओं को लेकर किसान हमेशा आशंकित रहता है। अब माल के परिवहन में भी आसानी होगी। कृषि जिंसों की बिक्री के लिए किसानों को मंडी परिसर में लाइसेंसी व्यापारियों को ही अपनी उपज बेचना पड़ती थी जो किसानों के हित में नहीं थी। बाजार के चक्रव्यूह और आढ़तियों के चंगुल से किसानों को बचाने के लिए केंद्र सरकार ने मंडी नियमों में संशोधन की बात कही है। देर आयद दुरुस्त आयद की तर्ज पर स्वागत योग्य है। 20 वर्षों से यह सुधार जमीन पर उतर आएंगे तो किसान की मुस्कुराहट समय बढ़ जाएगी।

सुनील गंगराड़े
(लेखक वरिष्ठ कृषि पत्रकार हैं)

विचार

रेल-विमान सेवा देगी बड़ी राहत

लॉकडाउन के बीच अर्थव्यवस्था और आम जनजीवन को पटरी पर लाने की एक और बड़ी कवायद के तौर पर यात्री ट्रेनों और विमान सेवाओं को शुरू किया गया है। यह सेवा भविष्य में दिक्कत न बने, इसका ख्याल सरकार और जनता दोनों को रखना होगा।

लॉकडाउन के बाद से जारी पाबंदी से बड़ी संख्या में लोग देश के तमाम हिस्सों में फंस गए हैं और उन्हें घर लौटना है। इसके अलावा जरूरी काम से लोगों को देश के एक हिस्से से दूसरे हिस्से जाना भी है। ऐसे में रेल और विमान सेवाएं शुरू करना अपरिहार्य हो गया था। यह सेवा भविष्य में दिक्कत न बने, इसका भी ख्याल सरकार और जनता दोनों को रखना होगा। देखा जाए तो कोरोना महामारी को फैलने से रोकने के लिए जारी लॉकडाउन के बीच देश की अर्थव्यवस्था और आम जनजीवन को पटरी पर लाने की एक और बड़ी कवायद के तौर पर यात्री ट्रेनों और विमान सेवाओं को शुरू किया गया है। राज्यों ने अपने यहां औद्योगिक गतिविधियों को फिर से चालू करने का फैसला किया था। हालांकि देश में रेल और विमान सेवाएं शुरू करने को लेकर सरकार फूंक-फूंक कर कदम इसलिए रख रही थी कि कहीं अचानक से स्टेशनों पर भीड़ न उमड़ आए और संक्रमण का खतरा खड़ा न हो जाए। इसलिए सीमित संख्या और प्रतिबंधों के बीच ही ट्रेनों की अनुमति दी गई है।

हालांकि, एक जून के लिए डेढ़ लाख से ज्यादा यात्रियों ने टिकट बुक कराई है। यात्रा शुरू करने के दिन जब ये सभी यात्री स्टेशन पहुंचेंगे, तब कोरोना के संक्रमण से बचना और बचाना रेलवे के लिए बड़ी चुनौती होगा। इसी तरह की तस्वीर 25 मई को एयरपोर्ट पर भी नजर आने वाली है। लेकिन इसका एक पहलू यह भी है कि लॉकडाउन के कारण बड़ी संख्या में लोग देश के तमाम हिस्सों में फंस गए हैं और उन्हें अपने घर लौटना है। इसके अलावा जरूरी काम से लोगों को देश के एक हिस्से से दूसरे हिस्से जाना भी है। तथ्य यह भी है कि रेलवे भी लंबे समय तक अपना परिचालन बंद नहीं रख सकता। रेलवे के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब पूरे देश में इतने लंबे वक्त तक ट्रेनों के चक्के ठहरे रहे हों। सिर्फ कुछ मालगाड़ियां और अर्धसैनिक बलों और प्रवासी मजदूरों को लाने-ले जाने के लिए गाड़ियां चलाई गईं। हालांकि, इससे रेलवे के राजस्व में कुछ नहीं आया। लिहाजा यह उपक्रम सिर्फ समाजसेवा बनकर साबित हुआ।

लॉकडाउन के दौरान केंद्र सरकार वास्तविकता को समझ चुकी है कि रेल सेवाएं बंद करने का जो चौतरफा प्रभाव पड़ता है, वह कितना नुकसान पहुंचाने वाला हो सकता है। इसमें कोई शक नहीं कि आम यात्रियों के लिए गाड़ियां चलाने का फैसला चुनौतीभरा है। बहरहल, एक जून से जब रेलवे की सुविधा शुरू होगी तब ट्रेन से यात्रा करना यात्रियों के लिए कई मायनों में एक नए तरह का अनुभव लिए होगा। सुरक्षित दूरी रखने और मुंह को ढकने जैसी जरूरी शर्तों का पालन करना होगा। अब देश के बाकी हिस्सों में बस जैसे सार्वजनिक परिवहन को भी अनुमति दी जानी चाहिए। जब तक अंतरराज्यीय सीमाएं नहीं खुलेंगी, निजी वाहन नहीं चलने दिए जाएंगे, तब तक जनजीवन सामान्य नहीं हो पाएगा।

सोशल मीडिया दे रहा कुंठा

सोशल मीडिया ने संचार और संवाद करने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। सोशल मीडिया और गैजेटों की लत के कारण युवाओं में शारीरिक और मानसिक व्याधियां तेजी से बढ़ रही हैं। इससे उनमें निराशा व कुंठा पनप रही हैं और एक नए प्रकार की सांस्कृतिक विसंगति को जन्म दे रही हैं। यह संस्कृति न केवल सामाजिक संबंधों में उनकी सहभागिता को कम करती है अपितु उन्हें भय एवं आक्रामकता का शिकार बनाती है।

सहस्राब्दि जनसंख्या का 80 प्रतिशत हिस्सा संदेश लिख कर या ऑनलाइन संवाद करना ज्यादा पसंद करता है। यह खुलासा ऑफकॉम के अध्ययन में हुआ है। इसके अनुसार 16 से 24 वर्ष की आयु के 15 फीसद युवा अपने फोन का इस्तेमाल लोगों से बातचीत के लिए नहीं करना चाहते, बल्कि मौखिक बातचीत के स्थान पर वे संदेश भेजना अधिक पसंद करते हैं। आज की किशोर पीढ़ी एक ही कमरे में अपने आसपास बैठे लोगों से बात करने के बजाय संदेश ही भेजती है। दरअसल, हम एक शोर रहित और आवाज रहित विश्व का हिस्सा बन चुके हैं। सार्वजनिक स्थानों पर होते हुए भी एक निजी विश्व निर्मित हो जाता है, जैसे भीड़ में, ट्रेन में, सड़क पर कहीं भी चलते हुए या बैठ कर हम ईअरफोन के जरिए अपना प्रिय संगीत सुन सकते हैं। जबकि एक-दो दशक पहले तक ट्रेन या बस में यात्रा करते समय लोग एक-दूसरे से बातचीत करके परिचय बढ़ाने में रुचि रखते थे, राजनीतिक व गैर-राजनीतिक विषयों पर चर्चा करते थे, खाना-पीना साझा करते थे, लेकिन अब यात्रा के दौरान ऐसा कोई शोर नहीं सुनाई देता और कोई अनुभव नहीं होता। अधिकांश लोगों के कानों में ईअरफोन, हेडफोन नजर आता है, या मोबाइल, लैपटॉप पर वीडियो देखने में व्यस्त होते हैं। संभवतः इसलिए इस पीढ़ी को 'खामोश पीढ़ी' की संज्ञा दी जाती है।

इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि सोशल मीडिया ने संचार और संवाद करने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। एक समय था जब लोग देर तक लैंडलाइन फोन पर अपने दोस्तों, परिवारजनों से बातचीत करते थे, विशेष अवसरों जैसे सालगिरह, त्योहार, पदोन्नति, नया सामान खरीदने इत्यादि पर फोन पर बधाई का तांता लग जाता था। मगर अब हर अवसर पर केवल संदेश भेज कर काम चल जाता है। कितना अजीब है कि एक ही संदेश हम सबको भेज देते हैं? यह कैसे संभव है कि सबके लिए हमारी भावनाएं, हमारा प्यार या दुआएं एक जैसी हों? और यह भी सच है कि आमने-सामने या फोन की आवाज पर जो बधाई मिलती है, उसमें अलग ही आनंद आता है क्योंकि उसमें हंसी-मजाक और बहुत सारी दुआएं भी शामिल होती हैं। सोशल मीडिया ने इन सब चीजों को सामाजिक जीवन से गायब कर दिया है। मनुष्य केवल खुद तक सीमित हो गया है, इसलिए शायद अब सेल्फी का जमाना है, समूह फोटो का नहीं। फिर चाहे होटल में खाना खाते समय या किसी मॉल में घूमते समय, या शादी पार्टी के लिए तैयार होते समय सेल्फी लीजिए और तुरंत फेसबुक अथवा सोशल मीडिया पर अपलोड कर दीजिए, ताकि आपकी फोटो पर अधिक से अधिक कमेंट और लाइक मिल सकें।

यदि आप यह सब नहीं करते तो आज के युग में आप सामाजिक प्राणी नहीं हैं, आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा तुलनात्मक रूप से कम हो सकती है। सामाजिक प्राणी और विकसित मस्तिष्क का स्वामी होने के नाते मनुष्य के लिए भाषा को संपर्क एवं संवाद स्थापित करने का सबसे प्रचलित व प्रभावी माध्यम माना जाता है। भाषा विज्ञानी सॉसर के अनुसार भाषा एक सामाजिक उत्पाद और वैयक्तिक व्यवहार दोनों है। अब सोशल मीडिया का उपयोग बढ़ने के बाद लोगों में संवाद या तो कम हो गया है या संदेशों में बदल गया है। जैसे-जैसे संवाद खत्म हो रहा है, वैसे-वैसे संस्कृति खत्म हो रही है, क्योंकि संस्कृति का पतन संवादहीनता से ही होता है। संस्कृति के भीतर संवेदनाएं, भावनाएं, अनौपचारिकता और अपनत्व की भावना होती है। संदेश-संस्कृति से जन साहित्य खत्म हो रहा है, इससे संस्कृति मर रही है। संस्कृति जीवंत अनुभव होती है। यह टेक्नोलॉजी निर्देशित सभ्यता आने वाले दौर में संस्कृति की हत्या का औजार बनेगी। क्या प्रौद्योगिकी का मनुष्य पर हावी होना तो विश्व युद्ध की आहट का संकेत दे रहा है? मौखिक संचार करने की शैली से व्यक्ति में भाषा विशेषज्ञता उत्पन्न होती है और उसमें अनुवाद करने की भी समझ विकसित होती है। संदेशों के माध्यम से नीरसता उत्पन्न हो रही है क्योंकि एक ही संदेश सबको भेज दिया जाता है, यहां तक कि अधिकांशतः बिना पढ़े ही संदेश दूसरों के आगे फॉरवर्ड कर दिए जाते हैं, बिना जांचे कि वे सही हैं या गलत।

ऐसा नहीं है कि सोशल मीडिया ने सकारात्मक पक्षों को उत्पन्न नहीं किया। आज ऐसे बहुत से लोग हैं जो बोलना चाहते थे, पर उन्हें कोई मंच उपलब्ध नहीं था। आज सोशल मीडिया ने उन्हें वह मंच दिया है जहां वे अपनी बात रख सकते हैं, अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं और लोग ऐसा कर भी रहे हैं। परंतु यह भी सच है कि कोई भी टेक्नोलॉजी अपने आप में बुरी नहीं होती। उसका सदुपयोग या दुरुपयोग उसे अच्छा या बुरा साबित करता है। सोशल मीडिया ने मौन की संस्कृति, आक्रामकता की संस्कृति और विरोध की संस्कृति को तीव्र किया है। ये तीनों एक सीमा तक तो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए ठीक हैं, लेकिन इनसे लोकतंत्र के लिए खतरा भी उत्पन्न हुआ है। राजनीतिक उद्देश्यों के लिए जब व्यक्ति सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, मीडिया कितना सही है कितना गलत, कौन-सी खबर सच है और कौन-सी झूठ, पुरानी सूचनाओं को कितने गलत तरीके से पेश किया जा रहा है, यह सब क्यों किया जा रहा है, जानना ज्यादा आवश्यक है। मीडिया खासतौर पर सोशल मीडिया जिस प्रकार की भूमिका निभा रहा है, वह संदेह के घेरे में है।

युवा पीढ़ी इस वक्त एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रही है जो अनेक प्रकार की सामाजिक चिंताओं को उत्पन्न करता है। सोशल मीडिया के प्रति युवाओं के एक बहुत बड़े हिस्से का आकर्षण इसके आदी होने के स्तर तक जा पहुंचा है। वह सामाजिक जीवन के एक बहुत बड़े भाग को प्रभावित एवं निर्धारित करने लगा है। देर रात तक चैटिंग करना या फिर ऑनलाइन गेम खेलना, सेल्फी लेने का शौक, वॉट्सएप का अनवरत प्रयोग करना और अध्ययन सामग्री के लिए विभिन्न साइटों की खोज में संलग्न रहना, वे पक्ष हैं जो यह दर्शाते हैं कि सोशल मीडिया ने सामाजिक जीवन को व्याधिकीय स्तर तक प्रभावित किया है। इसीलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ऑनलाइन गेम खेलने की लत को मानसिक रोग की श्रेणी में शामिल किया है। सोशल मीडिया और गैजेटों की लत के कारण युवाओं में अब शारीरिक और मानसिक व्याधियां तेजी से बढ़ रही हैं। इससे निराशा व कुंठा पनप रही हैं और एक नए प्रकार की सांस्कृतिक विसंगति को जन्म दे रही हैं।

एक तबका ऐसा भी उभर रहा है जो सोशल मीडिया से ऊब गया है। वह अब किसी भी विषय पर कोई भी प्रतिक्रिया नहीं करता। लोग अब विरोध के स्वर सुनना नहीं चाहते, उन्हें प्रशंसा व समर्थन की आदत हो गई है। इसलिए जब मीडिया मनुष्य को नियंत्रित करने लगे तो समाज में इसके खतरे दिखाई देने लगते हैं, जो विकास के मार्ग में बाधा ही उत्पन्न करते हैं।

ज्योति सिडाना
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

पिछले दो हफ्तों में हमने अपनी रफ्तार बढ़ाई है। आने वाले वक्त में और तेजी से लोगों को लाने की कोशिश रहेगी। अभी विदेश से और भारतीय लाए जाएंगे।

हरदीप पुरी, विमानन मंत्री

अभी लोगों को राहत देने के लिए 200 ट्रेन चलाई गई हैं। रेलवे कुछ दिनों में 100 और नई ट्रेन की घोषणा करेगा। स्थिति की लगातार समीक्षा की जा रही है।

पीयूष गोयल, रेल मंत्री

सत्यार्थ

व्यर्थ में होती हैं लड़ाइयां

एक बार एक बुजुर्ग शहद से भरी मटकी लेकर जा रहा था। रास्ते में उसका पांव एक छोटे से पत्थर पर पड़ा, तो वह लड़खड़ा गया और थोड़ा-सा शहद टपक गया। बुजुर्ग आगे चल दिया, मगर शहद पर कई मक्खियां आकर बैठ गईं। मक्खियों को जब एक गिलहरी ने देखा, तो वह फौरन उन पर झपट पड़ी। इससे मक्खियां उड़ गईं। तभी एक बिल्ली ने गिलहरी पर झपट्टा मारा। गिलहरी फौरन भाग गई और तभी एक कुत्ता बिल्ली की तरफ झपटा। बिल्ली तो भाग गई, लेकिन अचानक एक और कुत्ता वहां आ पहुंचा और तब दोनों आपस में लड़ने लगे। इतने में कुत्तों के मालिक भी आ गए व उन्हें शांत करने लगे, मगर कुत्ते शांत नहीं हुए। तब वे दोनों एक-दूसरे के कुत्तों को पीटने लगे और अंत में आपस में ही झगड़ पड़े। बात बढ़ी, तो उनके घर वाले एवं दोस्त भी आ गए। कुछ ही देर बाद दोनों तरफ के मोहल्ले वाले भी लाठियां लेकर आ डटे। जमकर मारपीट होने लगी। कई लोग जख्मी हो गए। तभी एक साधु ने एक महिला से पूछा-ये लड़ाई क्यों हो रही है? महिला खामोश रही, तो साधु ने एक लड़के से पूछा। उसने भी कोई जवाब नहीं दिया। मगर जब साधु को लड़ाई की असली वजह का पता चला, तो उसने भीड़ को शांत होने को कहा। लड़ाई रुक भी गई। संत ने पूछा-बिना बात समझे लड़ने वालों को आप क्या कहेंगे? सभी मौन थे। साधु फिर बोला-हमारे यहां लड़ाई की जड़ यही है कि लोग जानते नहीं हैं कि वे किस बात पर झगड़ रहे हैं। लड़ाई की जड़ जान लेंगे, तब कभी झगड़ा नहीं होगा। यह सुनकर कुत्तों के मालिकों ने एक-दूसरे से क्षमा मांग ली। इसका आशय यह है कि बिना सोचे-विचारे व उचित-अनुचित जाने बगैर हमें कभी कोई कदम नहीं उठाना चाहिए।

मनीषा शर्मा

अब घर बैठे बुक कराएं होंडा कार

कंपनी ने शुरू किया ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफॉर्म होंडा फ्रॉम होम

देश में प्रीमियम कारों की अग्रणी निर्माता कंपनी होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड (एचसीआईएल) ने लॉकडाउन में उपभोक्ताओं को सुविधाजनक खरीदारी के प्रयासों के तहत आनलाइन बुकिंग सेवा शुरू की है। इच्छुक उपभोक्ता घर से ही https://www.hondacarindia.com/honda-services/owners/bookaservice के जरिए अपनी कार को खरीद सकेगा। यह प्लेटफॉर्म उपभोक्ताओं को माडल विकल्प के जरिए ब्राउज करने, अपने पसंदीदा डीलरशिप को चुनने और अपनी कार को ऑनलाइन बुक करने की सुविधा प्रदान करेगा। देश में किसी भी स्थान से 24 घंटे बुकिंग प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए इसे डिजाइन किया गया है। यह डिजिटल बुकिंग प्लेटफॉर्म शीघ्र ही एचसीआईएल के भारत में सभी डीलरशिप को एकीकृत करेगा।

बुकिंग की ये है पूरी प्रक्रिया

इच्छुक उपभोक्ता होंडा कार्स इंडिया की वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं और बुक नाउ ऑप्शन को चुन सकते हैं। उपभोक्ता जानकारी सत्यापन के बाद, वे अपनी पसंद के कार मॉडल को उसके वेरिएंट्स/फ्यूल टाइप, ट्रांसमिशन (एटी/एमटी) और कलर के साथ चुन सकते हैं। इसके बाद उपभोक्ता जहां खरीदारी करना चाहते हैं, उस शहर और वहां के डीलरशिप का चयन कर सकते हैं। जानकारी सारांश पेज को सत्यापित करने के बाद, उपभोक्ता भुगतान विकल्प का चयन कर और ऑनलाइन बुक करें।

घर पर पहुंचाई जाएगी कार

इसके बाद एक बुकिंग कन्फर्मेशन आईडी जनरेट होगी, जिसे एसएमएस या ईमेल के जरिए ग्राहक को भेजा जाता है और चयनित डीलर को बुकिंग आईडी सहित उपभोक्ता की पूरी जानकारी प्राप्त करवाई जाती है। अगले चरण में एक बिक्री कार्यकारी शामिल है- चुने गए एचसीआईएल डीलरशिप की ओर से जो आगे की कागजी कार्रवाई और फाइनेंस या भुगतान विकल्प पर चर्चा के लिए उपभोक्ता से संपर्क करेगा। दस्तावेज और भुगतान संबंधी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद, कार को उपभोक्ता के घर पर पहुंचाया जाएगा।

ये हैं भारत की सबसे सस्ती 7 सीटर ऑटोमेटिक कारें, पूरी फैमिली एक साथ करेगी सफर

आजकल कम बजट में 7 सीटर कारों का क्रेज काफी देखने को मिल रहा है। ऐसे में कार कंपनियां भी ग्राहकों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए ऐसे ही मॉडल्स को लॉन्च कर रही हैं। सात सीटों वाले हैचबैक कार की डिमांड बढ़ रही है, हालांकि इस समय ऑप्शन बहुत ज्यादा नही हैं, लेकिन दो ऐसे मॉडल हैं जो आपकी जरूरत को पूरा कर सकते हैं।

Renault Triber AMT

Renault ने हाल ही में अपनी 7 सीटर कार Triber को अब AMT वर्जन में लॉन्च कर दिया है। Triber EASY-R AMT में तीन वेरियंट RXL, RXT और RXZ मिलते हैं। यह अपने मौजूदा मॉडल से 40 हजार रुपए महंगी है। इसके अलावा Datsun BS6 Go Plus की कीमत 4,19,990 लाख रुपए से लेकर 6,69,990 लाख रुपए तक जाती है। माना जा रहा है कि कंपनी जल्द ही Triber का पावरफुल वर्जन लॉन्च करने की तैयारी में है।

Renault Triber में 5-स्पीड AMT के अलावा कोई और मेकैनिकल बदलाव नहीं किया गया है। इंजन की बात करें तो इसमें 999cc का 3 सिलेंडर वाला मल्टी फ्यूल इंजेक्शन इंजन दिया गया है, जो 6250 Rpm पर 71 Hp की पावर और 3500 Rpm पर 96 Nm का टॉर्क जेनरेट करता है।

फीचर्स की बात करें तो इस कार में 8-इंच टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम दिया है, जो कि एप्पल कार प्ले और एयर एंड्रॉयड ऑटो को सपोर्ट करता है। इसके अलावा इसमें 4-एयरबैग्स, रियर कैमरा, रियर डिफॉगर, की-लेस एंट्री-गो और पावर अजस्टेबल विंग मिरर्स जैसे फीचर्स देखने को मिलते हैं।

Datsun BS6 Go Plus AMT

Datsun ने भी हाल ही में अपने 7 सीटर Go Plus को BS6 इंजन के साथ लॉन्च किया है। मैन्युअल वर्जन के साथ CVT गियरबॉक्स में भी उपलब्ध है। Datsun BS6 Go Plus की कीमत 4,19,990 लाख से लेकर 6,69,990 लाख रुपए तक जाती है। इसके टॉप मॉडल में CVT की सुविधा मिलती है। यह कार Ruby Red, Bronze Grey, Amber Orange, Crystal Silver, Vivid Blue और Opal White जैसे 6 कलर ऑप्शन में मिलेंगी। BS6 Datsun Go Plus में 1.2-लीटर का पेट्रोल इंजन लगा है, जो कि 77 PS की पावर और 104 Nm का टॉर्क जेनरेट करता है। यह इंजन 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स 5 स्पीड CVT गियरबॉक्स ऑप्शन में उपलब्ध है। सेफ्टी फीचर्स में BS6 Datsun Go Plus में एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम, ईबीडी, ब्रेक एसिस्ट, व्हीकल डायनामिक कंट्रोल, ड्यूल फ्रंट एयरबैग्स और रिवर्स पार्किंग असिस्ट जैसे फीचर्स देखने को मिलते हैं। दूसरे फीचर्स की बात करें तो कार में 7 इंच स्मार्ट टचस्क्रीन इन्फोटेंमेन्ट सिस्टम लगा हैं।

नई 2020 Hyundai Creta को रीलॉन्च करने की तैयारी

वायरस और लॉकडाउन के कारण कंपनियां ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से नए वाहनों को लॉन्च करने पर जोर दे रही हैं। हाल ही में कई दो पहिया और चार पहिया वाहनों को ऑनलाइन ही लॉन्च किया गया है। आगे भी कंपनियों की यही तैयारी है। दरअसल सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए कंपनियां ऐसा कर रही हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि अभी लॉकडाउन के चलते ग्राहक भी डीलरशिप पर नहीं पहुंच रहे हैं। खबरों के मुताबिक इसी कड़ी में Hyundai भी अपनी नई Creta को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर दोबारा लॉन्च कर सकती है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी नई Creta की ओर ध्यान खींचने के लिए ऐसा कर रही है। इसके लिए कंपनी डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहारा ले रही है। बता दें कि नई Hyundai Creta को भारत में 16 मार्च को लॉन्च किया गया था। हालांकि कुछ दिन बाद ही बढ़ते वायरस के चलते देशभर में लॉकडाउन शुरू हो गया था। कंपनी का मानना है कि लॉकडाउन के कारण लोगों का ध्यान Creta की तरफ नहीं गया है। इसलिए कंपनी ग्राहकों को इस तरीके से दोबारा टारगेट करना चाहती है। वहीं Hyundai ने अपनी मिड-साइज वरना फेसलिफ्ट मॉडल को भी ऑनलाइन लॉन्च कर दिया है।

तीन इंजन विकल्प : Hyundai Creta 2020 पांच वेरिएंट में उपलब्ध है- E (ई), EX (ईएक्स), S (एस), SX (एसएक्स) और SX(O),एसएक्स (ओ)। नई क्रेट में किआ सेल्टोस में लगाए गए इंजन का ही इस्तेमाल किया गया है। इस एसयूवी में इंजन BS6 ईंधन उत्सर्जन मानकों वाला इंजन मिलता है। इसमें 1.5-लीटर पेट्रोल, 1.5-लीटर डीजल और 1.4-लीटर टर्बो जीडीआई पेट्रोल इंजन मिलता है। तीनों इंजन के साथ 6-स्पीड मैन्युअल गियरबॉक्स स्टैंडर्ड मिलते हैं। 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन के साथ सीवीटी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स, 1.5-लीटर डीजल इंजन के साथ टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स और 1.4-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ 7-स्पीड ड्यूल-क्लच ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के विकल्प भी मिलते हैं। नई क्रेटा में लगे डीजल इंजन को 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स मिलता है।

लॉकडाउन में घर बैठे खरीदें महिंद्रा के वाहन

लोन, बीमा, पुरानी के बदले नई कार, एसेसरीज भी मिलेगी ऑनलाइन

लॉकडाउन में अब घर बैठे महिंद्रा की गाड़ियां मिलेंगी। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने एक एकीकृत ऑनलाइन बिक्री मंच शुरू कर दिया। कोरोना वायरस संकट के चलते शुरू किया गया, यह मंच ग्राहकों को वाहन खरीद का पूरा अनुभव प्रदान करेगा। वहीं इससे पहले देश में प्रीमियम कारों की अग्रणी निर्माता कंपनी होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड (एचसीआईएल) ने भी ऑनलाइन बुकिंग सेवा शुरू की है।

कार के ऑनलाइन मालिक बनें

कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसकी नयी पहल ओन ऑनलाइन (ऑनलाइन मालिक बनें) के तहत कार ऋण, बीमा, पुरानी कार के बदले नयी कार, एसेसरीज और कार खरीदने से जुड़ी सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर मिलेंगी। ग्राहक चार आसान चरणों में घर बैठे कार खरीदने का काम कर सकते हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा के वाहन विभाग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय नाकरा ने कहा कि कंपनी का कार खरीदने से पहले और बाद की प्रकियाओं का ऑनलाइन समाधान पहले से है, लेकिन अब इससे जुड़ी अन्य सुविधाओं को भी ऑनलाइन कर दिया गया है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री नाकरा ने कहा कि हाल के समय में सभी श्रेणियों में कार की ऑनलाइन खरीद को काफी पसंद किया गया है। अब हम वाहनों के इस खुदरा बाजार में आ रहे बदलाव के लिए तैयार हैं। कंपनी ने अपनी इस पहल से देशभर के 270 से अधिक डीलरों और करीब 900 से अधिक बिक्री केंद्रों को जोड़ा है। सभी डीलर न्यूनतम मानवीय संपर्क रखने के साथ-साथ साफ-सफाई इत्यादि के लिए प्रक्रियाओं का नवीनीकरण कर रहे हैं।

जब लॉकडाउन में खरीदनी हो एक नई कार तो इन जरूरी बातों का रखें ध्यान

देश में लॉकडाउन 4.0 जारी है, लेकिन नियमों और शर्तों के चलते इसमें थोड़ी ढील दी गई है, ताकि देश की अर्थव्यवस्था बेहतर बन सके। इसी बीच अब गाड़ियों की बिक्री भी शुरू हो गई है। ऐसे में अगर आप इस लॉकडाउन में एक नई कार खरीदने की सोच रहे हैं तो यहां हम आपको कुछ जरूरी टिप्स बता रहे हैं, जो आपको एक नया मॉडल खरीदने मदद करेंगे।

सबसे पहले तय करें कि आपको कौन सी कार लेनी है ?: नई कार खरीदते समय सबसे पहले यह तय करें कि आपको कौन सी कार लेनी है। अगर परिवार बड़ा है तो MPV आपके लिए ठीक रहेगी, यदि दो ही लोग कार में सफर करते हैं तो आप एक छोटी कार भी चुन सकते हैं। ध्यान रहे आप अपने बजट और जरूरत के हिसाब से ही कार का चुनाव करें।

नई कार के लिए बजट करें सेट : कार खरीदने से पहले यदि आप अपना बजट तय कर लेंगे तो उसी हिसाब से कार चुनने में आपको ज्यादा दिक्कत भी नहीं होगी। ध्यान रखें शोरूम वाले कई बार आपके बजट के ऊपर वाली कार भी बेचने की कोशिश करते हैं।

कार की सही कीमत : कार खरीदने से पहले एक या दो शो-रूम में जाकर कार की ऑन -रोड कीमत की पूरी जानकारी लें, क्योंकि हो सकता है अलग-अलग शो रुम में आपको उस कार की कीमत अलग-अलग मिले। ऐसे में जहां आपको सही डील मिले वहीं से ही कार खरीदें।

डिस्काउंट की जानकारी जरूर लें: जिस कार को आप खरीदने की सोच रहे हैं, उस पर क्या ऑफर्स और डिस्काउंट मिलेगा, इसकी भी जानकारी आप ठीक से पता कर लें।

कार एसेसरीज

अगर आप कार का बेस मॉडल खरीद रहे हैं तो उससे पहले कार डीलर से सभी प्रकार की एक्सेसरीज की जानकारी ले लें और मोल-भाव भी तय कर लें, ताकि हर तरह के ऑफर का लाभ आप उठा सकें, क्योंकि कार खरीदने के बाद डीलर एक्सेसरीज पर अच्छा डिस्काउंट नहीं देते हैं। इतना ही नहीं कार में वहीं जरूरी एसेसरीज फिट करवानी चाहिए, जो सबसे ज्यादा जरूरी हो।

जल्द ही लॉन्च होंगी ये जानदार बाइक्स, देती हैं जबरदस्त परफॉरमेंस, जानिए कीमत और फीचर्स के बारे में

लॉकडाउन के चलते भारतीय ऑटो सेक्टर ठहर सा गया था, लेकिन अब चौथे चरण के लॉकडाउन में थोड़ी ढील दिए जाने के बाद से ऑटो कंपनियां धीरे-धीरे पटरी पर आने की कोशिश कर रही हैं। ऑटो कंपनियां जहां एक तरफ खूब ऑफर्स दे रही हैं तो वहीं दूसरी तरफ कई नई गाड़ियां भी लॉन्च कर रही हैं। इसी कड़ी में जल्द ही चार बाइक और लॉन्च होने जा रही हैं। इन सभी बाइक्स की कीमत 3 लाख रुपए से कम रहने की उम्मीद है। आइए जानते हैं इन अपकमिंग बाइक्स के बारे में...

KTM 250 Adventure : KTM 250 Adventure बाइक में 248.7 सीसी के लिक्विड-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन लगा है। इसमें 6 स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है। इसका इंजन 30 पीएस की पावर और 24 एनएम का टार्क जनरेट करता है। केटीएम 250 एडवेंचर में 5.5 इंच का टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलेगा, जो कि केटीएम 390 एडवेंचर और 390 ड्यूक में भी है। KTM 250 Adventure ऑस्ट्रियाई मोटरसाइकिल निर्माता के पोर्टफोलियो में एंट्री-लेवल ऑफ-रोडिंग बाइक है। इसे EICMA 2019 में प्रदर्शित किया गया था। बाइक के जल्द ही लॉन्च की जाने की उम्मीद है। बाइक की कीमत 2.5 लाख रुपए के आसपास होगी।

BMW G 310 R : जल्द ही भारतीय बाजार में BMW G 310 R बाइक को उतारा जा सकता है। इसमें बीएस6 कंप्लायंट 313 सीसी, सिंगल-सिलेंडर इंजन मिलेगा, जो कि 34 बीएचपी की पावर और 27.3 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। वहीं BMW G 310 R बाइक को अपडेटेड G310 GS के साथ ही लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। इस बाइक की कीमत तीन लाख रुपए से कम रहने की उम्मीद है। इस बाइक को युवाओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है।

Kawasaki Ninja 300: Kawasaki Ninja 300 को जल्दी ही बाजार में उतारा जा सकता है। बता दें कि यह कंपनी की शानदार स्पोर्ट्स बाइक है। उम्मीद है कि कंपनी इसे लॉकडाउन के बाद लॉन्च कर सकती है। नई Kawasaki Ninja 300 में बीएस 6 कंप्लायंट 296 सीसी, पैरलल-ट्विन इंजन मिलेगा। यह 39 बीएचपी की पावर और 27 एनएम की टॉर्क जेनरेट करता है। इसकी कीमत करीब 3 लाख रुपए रहने की उम्मीद है। इस बाइक में ब्लैक अलॉय व्हील्स, स्प्लिट हेडलाइट और एनालॉग-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल मिलेंगे।

BMW G310 GS : BMW की G310 GS एडवेंचर टूरर बाइक अगस्त के आखिरी या सितंबर की शुरुआत में ही लॉन्च की जा सकती है। इसमें बीएस6 कम्प्लायंट 313 सीसी, सिंगल-सिलिंडर इंजन मिलेगा, जो 34 बीएचपी की पावर और 27.3 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। इस बाइक को कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। सेमी-फेयर्ड डिजाइन वाली यह बाइक अप-स्वेप्ट एग्जॉस्ट, फुल डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और अलॉय व्हील्स के साथ आएगी। वहीं इस बाइक की कीमत भी 3 लाख रुपए तक ही रहने की उम्मीद है।

Jawa बाइक्स की घर पर ही ले सकेंगे टेस्ट राइड

चेक गणराज्य की वाहन निर्माता कंपनी Jawa ने वायरस के चलते सात सुरक्षा प्रोटोकॉल पेश किए हैं, जिनका हर डीलरशिप पर पालन अनिवार्य है। कंपनी ने यह घोषणा लॉकडाउन के चौथे चरण में सरकार द्वारा कुछ ढील दिए जाने के बाद की है। लॉकडाउन के चलते ऑटो कंपनियों ने सभी कारखाने, डीलरशिप और सर्विस सेंटर बंद कर दिए थे। हालांकि सरकार ने अब कई क्षेत्रों में कड़े सुरक्षा नियमों के साथ इन्हें खोलने की अनुमति दे दी है। ऐसे में सरकारी आदेश के अनुसार कंपनियों को अपने ग्राहकों और कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था का पूरा ध्यान रखना होगा।

मिलेगी होम डिलीवरी की सुविधा

थर्मल स्क्रीनिंग जरूरी: Jawa Motorcycle ने देशभर में 105 से अधिक डीलरशिप में से 46 खोलने की घोषणा कर दी है। साथ ही कंपनी ने सात नियम बनाए हैं, जिनका पालन करना अनिवार्य है। इनमें डीलरशिप पर प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति की थर्मल स्क्रीनिंग जरूरी है। वहीं हर घंटे में शोरूम को सैनिटाइज करना अनिवार्य है।

शोरूम में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन जरूरी है। इसके लिए कंपनी डिजिटल दस्तावेज मांग रही है। दस्तावेज व्हाट्सएप, इमेल पर आदान-प्रदान अनिवार्य कर दिया है। कंपनी अपने ग्राहकों को मोटरसाइकिलों की टेस्ट राइड के लिए घर पर ही डिलीवरी की भी सुविधा प्रदान कर रही है।

कंपनी की सबसे सस्ती बाइक: वर्तमान में जावा कंपनी के बाजार में तीन मॉडल हैं। इनमें Jawa, Jawa Forty-Two और Jawa Perak शामिल हैं। वहीं Jawa Forty-Two कंपनी की लाइनअप में सबसे सस्ती बाइक है। इसमें रेट्रो थीम और स्पोर्ट्स ड्यूल एग्जॉस्ट पाइप, एनालॉग स्पीडोमीटर और स्पोक व्हील दिए गए हैं।

कीमत Jawa Forty-Two की कीमत 1.58 से शुरू होकर 1.68 लाख रुपए तक जाती है। इस मॉडल में गेलेक्टिक ग्रीन (मैट), हैली टील (मैट), लुमोस लाइम (मैट), स्टारलाईट ब्लू (मैट), मोमेट रेड (ग्लॉसी) और नेबुला ब्लू (ग्लॉसी) कलर उपलब्ध हैं। Jawa Perak इन तीनों में सबसे महंगा मॉडल है। वहीं आने वाले हफ्तों में इसकी डिलीवरी भी शुरू होने की उम्मीद है।

घर बैठे खरीदें ऑडी कार, कंपनी ने आरंभ की ऑनलाइन बिक्री

महिंद्रा एंड महिंद्रा, होंडा मोटर्स जैसी कंपनियों के बाद अब महंगी कार बनाने वाली जर्मनी की कंपनी ऑडी ने भी भारत में ऑनलाइन बिक्री शुरू की है। इससे ग्राहक कोविड-19 की रोकथाम के लिए जारी लॉकडाउन (बंद) के दौरान अपने घर से ही गाड़ी की बुकिंग कर सकेंगे। कंपनी ने बताया कि उसके अपने देशभर के डीलर नेटवर्क को इस ऑनलाइन मंच के साथ जोड़ दिया है। इसके जरिए ग्राहक घर बैठे न सिर्फ कार की बुकिंग कर सकते हैं, बल्कि अपनी कार की सर्विस बुकिंग भी करा सकते हैं।

कंपनी के भारतीय परिचालन के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लन ने कहा कि कंपनी ग्राहकों के लिए भविष्य की प्रौद्योगिकी को पेश करने में हमेशा आगे रही है। कंपनी के देशभर में अभी कुल 36 बिक्री केंद्र हैं। वहीं इससे पहले देश में प्रीमियम कारों की अग्रणी निर्माता कंपनी होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड (एचसीआईएल) और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने भी ऑनलाइन बुकिंग सेवा शुरू की है। महिंद्रा ने ओन ऑनलाइन (ऑनलाइन मालिक बनें) के तहत कार ऋण, बीमा, पुरानी कार के बदले नयी कार, एसेसरीज और कार खरीदने से जुड़ी सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर मिलेंगी। ग्राहक चार आसान चरणों में घर बैठे कार खरीदने का काम कर सकते हैं।

लुधियाना में एक पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन की बरामदी समेत एक भ्रूण लिंग निर्धारण स्कैन सैंटर का पर्दाफाश

डॉ. प्रभदीप कौर जौहल द्वारा आम लोगों को ऐसी बुराईयों के खिलाफ आगे आने की अपील

चंडीगढ़/ब्यूरो

स्वास्थ्य मंत्री पंजाब स. बलबीर सिंह सिद्धू के दिशा-निर्देशों की पालना करते हुए रा%य में लिंग जांचने के व्यापार पर नकेल कसने के लिए एक मुहिम चलाई जा रही है, जिससे कन्या भ्रूण हत्या के ग़ैर-कानूनी कारोबार में शामिल असामाजिक तत्वों का पूरी तरह ख़ात्मा किया जा सके। हाल ही में ऐसी ही एक मुहिम डायरैक्टर स्वास्थ्य सेवाओं (परिवार कल्याण) डा. प्रभदीप कौर जौहल की निगरानी अधीन चलाई गई, जिसके अंतर्गत लुधियाना में एक अनाधिकृत स्कैन सैंटर का पर्दाफाश करते हुए एक पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन बरामद की गई है।

इस मामले संबंधी और जानकारी देते हुए डॉ. प्रभदीप कौर जौहल ने बताया कि उनको लुधियाना में लिंग निर्धारण रैकेट चलाने की एक गुप्त सूचना गुरदासपुर ज़िले से मिली, जिस पर कार्यवाही करते हुए सिविल सर्जन गुरदासपुर किसन चंद के नेतृत्व अधीन स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एक जाल बिछाया जिसके अंतर्गत एक फ़र्ज़ी मरीज़ तैयार किया गया और उसे स्कैन सैंटर पर भेजा गया, जहाँ उसको भ्रूण का लिंग जांचने के लिए 15,000 रुपए की अदायगी करने के लिए कहा गया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा नोट किए नंबरों वाले पंद्रह हज़ार रुपए के करेंसी नोट भी मरीज़ को दिए। एजेंट द्वारा हिदायत की गई जानकारी के अनुसार एक महिला लुधियाना के बाइपास से मरीज़ को अपनी कार में लुधियाना के जमालपुर क्षेत्र के सांईं क्लिनिक ले गई। जैसे ही डॉक्टर ने लिंग जांचने के लिए अल्ट्रासोनोग्राफ़ी शुरू की, टीम ने अस्पताल में छापा मारा और क्लिनिक के मालिक डॉक्टर राकेश कुमार को दिए गए करेंसी नोट भी बरामद कर लिए, जो विभाग द्वारा दिए गए नोटों के नंबरों के साथ मेल खाते थे। दोषी डॉक्टर को एक पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया और वह अल्ट्रासाउंड स्कैन सैंटर के रजिस्ट्रेशन सम्बन्धी कोई दस्तावेज़ नहीं दिखा सका और इसके अलावा वह पी.एन.डी.टी. एक्ट के अधीन अन्य ज़रूरी धाराओं का उल्लंघन करता पाया गया। यह भी सामने आया है कि मरीज़ से कोई आई.डी. नंबर नहीं लिया गया था और न ही उसकी तरफ से कोई सहमति दर्ज की गई थी।

मौके पर पहुँची टीम ने पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन को कब्ज़े में ले लिया और साथ ही जमालपुर पुलिस ने सिविल सर्जन लुधियाना की हाज़िरी में दोषी डॉक्टर को गिरफ़्तार कर लिया और उसके विरुद्ध पीसी

एंड पीएनडीटी एक्ट, आइपीसी और सीआरपीसी धाराओं के अंतर्गत मुकद्दमा दर्ज किया गया। डा. प्रभदीप कौर जौहल ने आगे कहा कि भविष्य में भी ऐसी कार्यवाहियां जारी रहेंगी। उन्होंने ऐसी बुराईयों के ख़ात्मे के लिए आम लोगों को आगे आने की अपील भी की।

महंगे सैनेटाईज़र और मास्क बेचते तीन दुकानदार विजीलैंस द्वारा गिरफ्तार

अधिक मूल्य पर समान बेचने वालों के विरुद्ध जारी रहेगी विजीलैंस की विशेष मुहिम- उप्पल

चंडीगढ़/ब्यूरो

राज्य विजीलैंस ब्यूरो ने काले बाजारीकरन के लिए ज़रूरी वस्तुओं के भंडारण को रोकने के लिए आज दवाएँ बेचने वाले तीन दुकानदारों को लोगों को अधिक रेटों पर सैनेटाईज़र और मास्क बेचने के दोष के तहत गिरफ़्तार किया है।

इस सम्बन्धी जानकारी देते हुये मुख्य डायरैक्टर-कम -ए.डी.जी.पी. विजीलैंस ब्यूरो पंजाब, श्री बी.के. उप्पल ने कहा कि ब्यूरो की तरफ से कोविड -19 महामारी के दौरान एक विशेष मुहिम पहले ही शुरू की हुई है जिससे सरकारी द्वारा मंजूरशुदा रेटों पर आम लोगों को जरूरी वस्तुओं समेत सैनेटाईज़र और मास्क की सही सप्लाई को यकीनी बनाया जा सके।

उन्होंने कहा, 'यह मुहिम बिना रुकावट के जारी रहेगी और ब्लैक मार्किटिंग और अतिरिक्त भंडारण करने में लगे ऐसे सभी दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही जारी रहेगी। विजीलैंस ब्यूरो के प्रमुख ने बताया कि सरहदी इलाको में लोगों की तरफ से मिल रही शिकायतों पर विजीलैंस रेंज अमृतसर ने इस मुहिम के दौरान डोगरा मैडीकोज़, गुमटाला रोड, अमृतसर के मालिक सुनील डोगरा और नवीन मैडीकोज़ के मालिक दिनेश कुमार (लायसेंस धारक) पवन कुमार (प्रोपाईटर) रत्न सिंह चौक अमृतसर को गिरफ़्तार किया है जोकि आम लोगों से सैनीटाईज़र की अधिक कीमतें वसूल रहे थे।

उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में दुकानदारों सुनील डोगरा, दिनेश कुमार और पवन कुमार के विरुद्ध थाना विजीलैंस ब्यूरो, अमृतसर में दो मुकदमें धारा 420 /188 आईपीसी और जरूरी वस्तुएँ कानून 1955 की धारा 7 के तहत दर्ज किये गए हैं और इस सम्बन्धी अगली जांच जारी है।

पंजाब सरकार ने 59 और रेलगाड़ियाँ भेजने के लिए बिहार से सहमति माँगी-लुधियाना, जालंधर, मोहाली, अमृतसर, सरहिन्द और पटियाला से रवाना होंगी रेलगाड़ियाँ

अब तक 220 से अधिक विशेष रेलों के द्वारा ढाई लाख से भी अधिक प्रवासी मज़दूरों को भेजा जा चूे पित्री राज वापस

चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब सरकार ने 59 ओर विशेष रेलगाड़ियों के द्वारा राज्य में रह रहे मज़दूरों और उनके पारिवारिक सदस्यों को उनकी इच्छा के अनुसार उनके पैतृक राज्य बिहार के विभिन्न शहरों में पहुँचाने के लिए बिहार सरकार से सहमति माँगी है।

इस बाबत पंजाब के मुख्य सचिव करन अवतार सिंह द्वारा बिहार के अपने समकक्ष दीपक कुमार को पत्र लिखा गया है। इस पत्र में 12 रेलगाड़ियाँ रोज़ाना चलाने की सहमति माँगी गई है और 59 रेलगाड़ियों की सूची विस्तार सहित बिहार सरकार को भेजी गई है।

हालाँकि इससे पहले भी बिहार के कई शहरों को पंजाब के विभिन्न शहरों तक रेलगाड़ियाँ जा रही हैं, परन्तु काफी मज़दूरों द्वारा वापस जाने की इच्छा के अंतर्गत 59 और रेलगाड़ियाँ चलाने की पंजाब सरकार ने बिहार से सहमति माँगी है।

इस सम्बन्धी एक प्रवक्ता ने बताया कि यह रेलगाड़ियाँ पंजाब के लुधियाना, जालंधर, मोहाली, अमृतसर, सरहिन्द और पटियाला स्टेशनों से रवाना होंगी। पंजाब से चल कर यह रेलगाड़ियाँ बिहार के विभिन्न शहरों जिनमें बक्सर, सीतामढ़ी, पटना, सहरसा, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, छपरा, किशनगंज, हाजीपुर, गया, बेतिया, दानापुर, सीवान और कटेहार के अलावा अन्य प्रमुख शहरों तक लोगों को पहुँचाया करेंगी।

उन्होंने बताया कि इन रेलगाड़ियों के द्वारा जाने वालों की मैडीकल टीम द्वारा जांच की जाएगी और सिर्फ वह लोग ही सफर कर सकेंगे, जिनमें कोरोनावायरस के कोई लक्षण नहीं होंगे। सभी मुसाफिरों को मैडीकल सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा।

प्रवक्ता के अनुसार इससे पहले मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह के निर्देशों के अनुसार 220 से अधिक रेलगाड़ियों के द्वारा ढाई लाख से अधिक प्रवासी मज़दूरों को उनके पैतृक राज्यों में भेजा जा चुका है और अभी भी यह प्रक्रिया जारी है।

जिक्रयोग्य है कि सबसे अधिक रेलगाड़ियाँ यू.पी. और उसके बाद बिहार और झारखंड को जा रही हैं।

पंजाब सरकार छत्तीसगढ़, मनीपुर, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश को भी रेलगाड़ियाँ भेज रही है। सभी मुसाफिरों को सफर के लिए भोजन, पानी और अन्य ज़रूरी वस्तुएँ प्रदान की जा रही हैं।

कमलंगा एनर्जी की हिस्सेदारी खरीदने जेएसडब्ल्यू सौदा रुका

नई दिल्ली। जीएमआर कमलंगा एनर्जी में जीएमआर एनर्जी की पूरी हिस्सेदारी जेएसडब्ल्यू एनर्जी को बेचने के सौदे पर फिलहाल रोक लग गई है। जीएमआर एनर्जी की सहायक कंपनी जीएमआर इंफ्रास्ट्रक्चर बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को इस बारे में सूचित किया। जीएमआर एनर्जी की कमलंगा एनर्जी में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने फरवरी में एक समझौता किया था। जीएमआर कमलंगा एनर्जी ओडिशा के ढेंकनाल में 1050 मेगावाट क्षमता के ताप बिजली संयंत्र की मालिक और परिचालक है। यह सौदा 5321 करोड़ रुपए में हुआ था, जो कार्यशील पूंजी और अन्य समायोजनों पर निर्भर था।

स्कोडा आटो फॉक्सवैगन संयंत्र में उत्पादन शुरू

मुंबई। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने अपने औरंगाबाद संयंत्र में कम मानव श्रमबल के साथ उत्पादन तथा पुणे में अपने इंडिया 2.0 परियोजना पर काम शुरू किया है। कंपनी, कोरोनावायरस महामारी के बीच सभी जरूरी सुरक्षा प्रोटोकॉल पर ध्यान दे रही है। कंपनी ने कहा कि औरंगाबाद केन्द्र में एक पाली एकल शिफ्ट में कम जनशक्ति के साथ काम कर रही है जहां वह अगले सप्ताह की पेशकश से पहले नई सुपर्ब का उत्पादन करेगी और बाद में अन्य मॉडलों और ब्रांडों को शामिल करेगी क्योंकि कंपनी धीरे-धीरे अपना उत्पादन बढ़ा रही है।

होंडा चरणबद्ध तरीके से परिचालन शुरू करेगी

नई दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने कहा कि वह देश में सभी चार संयंत्रों को दो चरणों में शुरू करेगी। कंपनी के कर्नाटक स्थित संयंत्र में विनिर्माण गतिविधियां अगले सप्ताह शुरू होंगी। एचएमएसआई ने कहा कि 25 मई से उत्पादन चरणबद्ध तरीके से शुरू होगा। सबसे पहले कर्नाटक के नरसापुर स्थित उसके सबसे बड़े संयंत्र को शुरू किया जाएगा और फिर जून के पहले सप्ताह में अन्य तीन संयंत्र शुरू होंगे। एचएमएसआई ने कहा कि कंपनी के 300 से अधिक आपूर्तिकर्ताओं में करीब 99 प्रतिशत को कामकाज के लिए जरूरी मंजूरियां मिल गई हैं और वे उत्पादन शुरू करने की अग्रणी अवस्था में हैं।

निसान ने ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा शुरू की

नई दिल्ली। प्रमुख ऑटो निर्माता निसान इंडिया ने गुरुवार को कहा कि उनसे एक नई डिजिटल पहल की शुरुआत की है, ताकि कोरोना वायरस महामारी के बीच ग्राहक वाहनों की ऑनलाइन बुकिंग और खरीदारी कर सकें। कंपनी की इस पेशकश के साथ ही अब शोरूम सीधे ग्राहकों के घरों तक पहुंच जाएंगे। कंपनी के एसयूवी किक्स और पूरी डस्टन श्रृंखला को ऑनलाइन बुक किया जा सकता है। कंपनी के प्रबंध निदेशक राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि वे डिजिटल शोरूम के माध्यम से ग्राहकों को लेकर अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत कर रहे हैं। हमारे ग्राहक पूरे भरोसे और सुविधा के साथ हमारी कारों का अनुभव ले सकते हैं और इसके लिए उन्हें किसी अन्य के भौतिक संपर्क में भी आने की जरूरत नहीं होगी। निसान के वर्चुटल शोरूम की मदद से ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार अपनी मनपसंद निसान कार को बुक कर सकते हैं और खरीद सकते हैं।

टेक्नो का स्पार्क 5 स्मार्टफोन लॉन्च

नई दिल्ली। वैश्विक प्रीमियम स्मार्टफोन ब्रांड टेक्नो ने अपनी लोकप्रिय और कामयाब स्पार्क सीरीज के तहत एक और ऑल राउंड परफॉर्मर टेक्नो स्पार्क 5 के लॉन्च की घोषणा की है। इस तरह कंपनी ने अपनी सेगमेंट फर्स्ट की प्रतिष्ठा को एक बार फिर से मजबूत किया है। 7999 रुपए की कीमत वाला टेक्नो स्पार्क 5 स्मार्टफोन आठ हजार रुपए से कम के सेगमेंट में 13 एमपी क्वाड्रपल रियर कैमरा सेटअप और बिग 6.6 इंच डॉट इन डिस्प्ले की पेशकश करने वाले पहला स्मार्टफोन है। सेगमेंट फर्स्ट की यह पेशकश चलन और सोच से आगे रहने के अपने नजरिए के अनुरूप काम करने की टेक्नो की कोशिश है, जिसका उद्देश्य अपने उपभोक्ताओं को भविष्य के लिए तैयार डिवाइस उपलब्ध कराना है। अपने औरों से अलग रहने के स्वभाव के अनुरूप टेक्नो स्मार्टफोन किफायती सेगमेंट में श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ डिजाइन, डिस्प्ले, कैमरा अनुभव और स्मार्टफोन का बेहतरीन समग्र अनुभव पेश करेंगे। ट्रांसियॉन इंडिया के सीईओ अरिजीत तालापात्रा ने कहा, टेक्नो स्पार्क 5 को ग्रेटर भारत की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह नया स्माटफोन 25 मई से देशभर में बिक्री के लिए मौजूद रहेगा।

वित्तमंत्री की बैंक प्रमुखों से मुलाकात आज

अर्थव्यवस्था पर पटरी पर लाने के प्रयासों और ऋण उठाव पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शुक्रवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक प्रमुखों, मुख्य कार्यपालक अधिकारियों सीईओ के साथ समीक्षा बैठक करेंगी। इस दौरान कोरोना वायरस से बुरी तरह प्रभावित अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिये किये जा रहे प्रयासों और बैंकों से ऋण उठाव पर चर्चा की जायेगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

यह बैठक इससे पहले 11 मई को होनी थी लेकिन प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा के चलते इसे आगे के लिये टालना पड़ा। सूत्रों ने बताया कि बैठक वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये होगी। इस बैठक में बैंकों की तरफ से कर्ज लेने वालों को ब्याज दर का लाभ दिये जाने और कर्ज किस्तों पर लगाई गई रोक के मामले में हुई प्रगति पर भी गौर किया जायेगा। रिजर्व बैंक ने 27 मार्च को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.75 प्रतिशत घटा दिया था। केन्द्रीय बैंक ने इसके साथ ही कर्जदारों को राहत पहुंचाने के लिये तीन माह तक उनके द्वारा कर्ज की किस्त और ब्याज चुकाने पर रोक लगा दी थी। यह राहत कोरोना वायरस के कारण लागू लॉकडाउन के दौरान लोगों को हुये आय नुकसान को देखते हुये दी गई। सरकार की ओर से 20 लाख करोड़ रुपए के राहत की घोषणा को देखते हुए यह बैठक अपने आप में काफी अहम है। सरकार पैकेज के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के लिए विभिन्न तरह की पहल की है, ताकि ज्यादा से ज्यादा वस्तुओं का उत्पादन देश में हो सके और विदेशों पर हमारी निर्भरता में कमी आए।

बैंक कर्ज 6.52 प्रतिशत बढ़ा | जमा में 10.64 प्रतिशत इजाफा

मुंबई। रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार आठ मई को समाप्त पखवाड़े के अंत में बैंक ऋण एक साल पहले के मुकाबले 6.52 प्रतिशत बढ़कर 102.52 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया जबकि इस दौरान बैंकों में जमा धन 10.64 प्रतिशत बढ़कर 138.50 लाख करोड़ रुपए था। इससे पहले 10 मई 2019 को समाप्त पखवाड़े में बैंक ऋण 96.24 लाख करोड़ रुपए और जमा 125.17 लाख करोड़ रुपए थी। इससे पिछले पखवाड़े से तुलना करने पर बैंक ऋण 21010.36 करोड़ रुपए घटकर 102.52 लाख करोड़ रुपए रह गया। इससे पिछले सप्ताह 24 अप्रैल 2020 को समाप्त पखवाड़े में यह राशि 102.73 लाख करोड़ रुपए थी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि सरकारी क्षेत्र के बैंकों ने एमएसएमई, कृषि और खुदरा सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिये 6.45 लाख करोड़ रुपए के ऋण मंजूर किये हैं। ये मंजूरी एक मार्च से 15 मई के बीच दी गई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने आठ मई की समाप्ति तक 5.95 लाख करोड़ रुपए का ऋण मंजूर किया। इससे पहले सीतारमण ने ट्वीट किया था, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने एक मार्च से 15 मई के बीच एमएसएमई, खुदरा, कृषि और कारपोरेट क्षेत्रों के 54.96 लाख खातों में 6.45 लाख करोड़ रुपए के ऋण को मंजूरी दी है। यह आठ मई को मंजूर किये गये 5.95 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने अब तक 1.03 लाख करोड़ रुपए का आपात ऋण सुविधा और कार्यशील पूंजी विस्तार दिया है। यह विस्तार 20 मार्च से 15 मई की अवधि में हुआ है। आठ मई तक के 65879 करोड़ रुपए के ऋण के मुकाबले इसमें यह बड़ी वृद्धि हुई है।

एपल, गूगल ने संक्रमण रोकने तकनीक जारी की

कोरोना के संपर्क में आने पर जारी होगा अलर्ट

नई दिल्ली। एपल और गूगल ने कोरोना वायरस के संपर्क में आने की आशंका होने पर लोगों को अपने आप सूचित करने वाली स्मार्टफोन तकनीक जारी की। दोनों कंपनियों ने कहा कि 22 देश और अमेरिका के कई राज्य उनके सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर स्वैच्छिक फोन एप तैयार करने की योजना पहले ही बना रहे हैं।

यह ब्लूटूथ वायरलेस तकनीक पर आधारित है, जिसके जरिए एप को डाउनलोड करन वाला व्यक्ति जब ऐप का इस्तेमाल करने वाले किसी अन्य व्यक्ति के साथ समय बिताता है, जो बाद में कोरोना से संक्रमित पाया जाता है, तो पहले व्यक्ति को सूचना अपने आप मिल जाएगी। कई सरकारों ने कोविड19 के प्रकोप को रोकने के लिए अपने फोन एप पहले ही तैयार करने की कोशिश की है, पर ज्यादातर विफल रहे हैं। इनमें से कई एप को एपल व एंड्रायड पर तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा है और उन्हें व्यापक रूप से नहीं अपनाया गया। ये एप लोगों के स्थान को ट्रैक करने के लिए जीपीएस का इस्तेमाल करते हैं, जिन पर एपल और गूगल अपने नए संस्करणों में गोपनीयता और सटीकता संबंधी चिंताओं के कारण प्रतिबंध लगा रहे हैं।

कंपनियों ने कहा कि वे कॉन्टैक्ट ट्रैसिंग की जगह लेने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, जो संक्रमण को रोकने का एक महत्वपूर्ण जरिया है, बल्कि उनका स्वचालित एक्पोजर नोटिफिकेशन उस प्रक्रिया का पूरक है और सिस्टम कोविड19 वायरस के प्रकोप को धीमा करता है।

छह कंपनियों में बेअसर कोरोना की मंदी

छंटनी और सैलरी कटौती की बजाय हाइक दे रही कंपनियां

नई दिल्ली। कोरोना की मंदी की मार पूरी दुनिया पर पड़ी है और करीब हर सेक्टर इससे प्रभावित हुआ है। 25 मार्च से लॉकडाउन के चलते तमाम इंडस्ट्रीज को काफी नुकसान हुआ है और कंपनियां इस संकट के हालात में अपने एंप्लॉयीज की छंटनी को मजबूर हैं या सैलरी कटौती कर रही हैं। आप हर दिन किसी न किसी कंपनी में छंटनी या सैलरी कट की खबर सुन रहे होंगे, लेकिन ऐसी भी कई कंपनियां हैं, जो सैलरी कटौती की बजाय हाइक दे रही हैं और जिन लोगों को ऑफर लेटर दे चुकी हैं, उन्हें मना नहीं कर रहीं। इस लिस्ट में सबसे ताजा नाम है एचसीएल टेक्नॉलजीज का।

एचसीएल टेक्नॉलजीज व एशियन पेंट्स में नहीं कटेगी सैलरी

एचसीएल ने फैसला किया है कि वह अपने डेढ़ लाख कर्मचारियों की सैलरी नहीं काटेगी और साथ ही बीते साल का प्रॉमिस किया बोनस भी देगी। कुछ समय पहले कंपनी ने यह भी कहा था कि वह फ्रेशर्स को ऑफर की गई 1500 जॉब्स भी बरकरार रखेगी यानी उन्हें तय वक्त पर जॉइन करवाया जाएगा। एशियन पेंट्स अपने कर्मचारियों का मनोबल बढ़ा रही है। कंपनी ने अपने एंप्लॉयीज की सैलरी न काटने का फैसला किया और छंटनी भी नहीं करने का तय किया।

कैपजेमिनी व भारत पे में शानदार सैलरी हाइक

फ्रांस की आईटी कंपनी कैपजेमिनी ने अपने एंप्लॉयीज का मनोबल और विश्वास बढ़ाने के लिए शानदार सैलरी हाइक का ऐलान किया है। इस फ्रेंच आईटी कंपनी में कुल 2 लाख एंप्लॉयी काम करते हैं, जिनमें से 1.2 लाख भारत में काम करते हैं। भारत में काम करने वाले 70 फीसदी एंप्लॉयीज को हाई सिंगल डिजिट हाइक मिला है। डिजिटल फिनटेक कंपनी भारतपे ने भी इस संकट की घड़ी में सैलरी कट करने की बजाय सैलरी हाइक देने का फैसला किया। अप्रैल के शुरुआती दिनों में फ्लिपकार्ट के सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति ने अपने एंम्प्लॉयीज से कहा था कि कंपनी सैलरी कट नहीं करेगी और हर दिए जॉब ऑफर का सम्मान करते हुए तय समय पर जॉइनिंग करवाएगी। कंपनी की प्राथमिकता अपने कर्मचारियों को सुरक्षित रखना है। ऑनलाइन फैशन रिटेलर फ्लिपकार्ट का पार्ट मिंत्रा ने भी कहा था कि जो भी जॉब ऑफर दिए जा चुके हैं, सभी भर्तियां होंगी। साथ ही अप्रेजल प्रॉसेस भी तय समय पर होगा।

राहत पैकेज में स्वास्थ्य क्षेत्र की जरूरतों का ध्यान नहीं

फिच का कहना, दबाव में है हेल्थ सेक्टर

नई दिल्ली। रेटिंग एजेंसी फिच सॉल्युशंस के मुताबिक सरकार के ताजा राहत पैकेज में स्वास्थ्य क्षेत्र की तात्कालिक जरूरतों को ध्यान नहीं रखा गया है। कोविड19 महामारी के चलते इस क्षेत्र पर बहुत दबाव है। इस बारे में फिच समूह इकाई फिच सॉल्युशंस कंट्री रिस्क एड इंडस्ट्री रिसर्च ने एक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त मंत्रालय ने 11 मार्च को स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए आवंटन को जीडीपी के मुकाबले 0.008 प्रतिशत बढ़ाने की घोषणा की थी, ताकि स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च को बढ़ाया जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक यह कोई नया बजटीय आवंटन नहीं है, बल्कि मौजूदा खर्च को ही इधर-उधर करना है और सरकार का प्रोत्साहन पैकेज स्वास्थ्य क्षेत्र की तात्कालिक समस्याओं को दूर करने में सक्षम नहीं है। कोविड19 महामारी जैसे अभूतपूर्व संकट की वजह से देश में स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश बढ़ाने की जरूरत को बल मिला है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)

Editor: ATUL SHARMA*

*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.